

铺架彩虹的人们

——记三位修桥工人（报告文学）

·李勇·

当一座大桥竣工的时候，人们总是惊叹大桥的伟岸、壮观，却常常忽略：深扎入水底的桥墩，三有桥面下的大梁。然而，正是那些象桥墩、大梁一样朴实平凡的修桥工人，用自己坚强的身躯挺起了共和国的脊梁，托举出绚丽的“彩虹”。

“黑队长”

他叫李振民，是交通部第二公路工程局一处二队队长。人称“黑队长”。自打65年转业以来，他上过西藏，下过四川，跑了十几个省，已参加修筑了8座大桥，5条公路。几十年野外流动施工除赋予他一副粗糙黝黑的面孔外，还给他身上留下了11处伤痕，那是11次永久的奖励，是镌刻在肉体上的一枚枚勋章。

这个山东汉子的右臂比左臂短两公分。那是在北也门首都萨那援建公路时一次施工事故中造成的，回国后做了6次手术都未能痊愈。直到1988年他率领二队奋战在广西梧州汉河大桥工地时，那条右臂还靠一颗钢钉固定着。在汉河大桥施工最紧张的几天里，他的伤口开始发炎流脓，疼痛时常扭曲着他的面部表情，可他硬

是咬着牙挺下来了。直到工程完工才住进医院。

今年9月15日到22日，桂江公路大桥进入铺装桥面的关键阶段，为了保证大桥在国庆节前竣工，李振民带领全队职工分成几个突击队，连续苦战了7天7夜，终于胜利完成了任务。在这些日子里，他每天只休息两三个小时，一晚上要吸掉5包香烟。他的衣裤也不知被汗水浸透了多久，终于成了一幅古老破旧的“地图”。

李振民能吃苦，他说：当个队长再连一点苦都吃不下了，早该卷铺盖回家了。他是该回家了。他已经快两年没回去了。那是山东境内黄河边上的一个村子，住着他的老伴和儿女，还有一个从未见过面的小孙子。

史国胜的“咏叹调”

我是交通部第二公路工程局一处一队副队长史国胜，今年39岁，

们这行的，要说苦也真够苦的，成年累月在外面施工，经常是晴天一身汗，雨天一身泥。酷暑，工地成了钢铁大蒸笼，顶着40多摄氏度的高温钻进钢护筒里烧电焊，几分钟下来汗都出干了，皮肤上泡出一块块白斑，大家互相帮着揭脱几层皮；冬天，浇注水下混凝土的时候，棉袄都被汗水湿透了，冷风一吹，又冻得硬梆



刊头设计 刘靖宇
本版编辑 周夫

梆的。几年工夫修好一座大桥下来，身子骨都要散了，可有时连喘喘气的功夫都没有，就又要上新工地了。

你说我们苦？是苦，可苦不怕。最怕的是这当儿家里来个急信、电报，叫你回去，可施工紧张又离不开人，你说

人去，我不放心！”他说。

她说：“你姐夫是厂里的领导，不会说说，让你换个工种？”

“不，我的魂已寄在索道上了。再说，就因为姐夫当了厂里的头儿，咱更得——”

她不说，无可奈何地叹了口气，想了想，说：“那我去看着你，反正今天倒班，在家也没事。”

他认真地劝她：“别，你千万不要来。高空操作，要特别小心，思想要高度集中。你一来我就要往底下看，精力分散了，反而容易出事。”

傍晚，凉风飕飕。索道检修完了，工人们拖着疲惫的身子下山了。他和伙伴们扛着工具过来了。他老远就看见她在山腰的大柏树下，扑过去紧紧握着她的手问：“你啥时来的？”她的手冰凉，嘴唇发紫。

她说：“早上你一走我就来了；你在前面走，我悄悄在后面跟着。”

他浑身一颤，心疼地说：“你在这站了一天了，连饭也没还吃吧？”

她点点头，眼脸上滚出了两颗晶莹的泪珠。

他掏着手绢想给她擦眼泪：“你哭了！”

“谁哭了？”她看周围有人，羞怯地夺过手帕，边擦眼睛，边说：“你站得那么高，我总仰着头，眼睛，是累的。”她嗓子一噎，说不下去了。

他心里一酸，故意说：“你长得这么漂亮，如果我‘万一’了，保险你能找一个更好的。”

“不准你说脏话。”她用手帕堵住他的嘴。“你以后再上那么高，一定得告诉我，我还来等着，就在这。”

他被堵得喘不过气来，咕嘟着说：“不用，就、就在咱家阳台上等着就行了！”

“看你弄成啥咧，浑身都是土！”她要给他掸土。

“别掸了。你一天还没吃饭，今晚还是我做饭！”拉着她的手，快快地向家里走了。

如果仔细研究一下国人的心态，“敬衣不敬人”恐怕要算一个弱点。

二十多年前，听人讲过一则笑话：我国著名作家柳青一次外出开会，负责门卫的同志见他那身陕西关中农民打扮，便拒之门外，不准入场。后来有人介绍他就是《创业史》的作者，门卫先是惊讶，随即便连连道歉。至于这个故事的真实与否，笔者没有考究，但类似这样“敬衣不敬人”的事情在我们日常生活中并不少见。

前些时，我偶尔去了一次服装店，发现衣架上挂着各种款式的高档服装，一件最少价值几十元、上百元，多的甚至上了千。不解的是，如此昂贵的服装，竟有不少同胞愿意慷慨解囊。事后，我与友人说起此事，他坦率地告诉我：一件漂亮的服装，不仅可以使人产生一种非凡的魅力，更重要的是，在某种场合，它还有特殊的功能。他所讲的“特殊功能”，自然是针对某些“敬衣”者而言。

友人所言，无可厚非，不过，由“敬衣”使我联想到目前社会生活中存在的某些形式主义与形而上学。前些年，中央提倡让一部分人先富起来，这无疑是正确的，但问题是有些人只讲富起来，而不管用什么手段富，甚至个别地方还闹出过“谁先富谁入党”的笑话来。还有一家医院，过去不注意医护人员的医德教育，一切向钱

人心急不急？不瞒你说，我住在西安的老母亲今年犯病，是邻居帮忙送到医院的。我给母亲汇去的钱寄去的信都退回来了，上面都写着“查无此人”。老妈都不认我这个不孝之子了，你说我这心里是啥滋味儿？她老人家并不是不理解我，她常对我说，“你们筑路修桥的人都是在行善积德呢，”可就是感情上过不去呀。

我们这里的离婚率最高，媳妇最难找。我们中不少大学毕业的后来都“降低条件”找了农村婆姨。可一旦有了孩子，那才就更恼火。到哪里上学都要求爷爷告奶奶，交好几倍的学费。有些老职工的孩子转来转去，功课没学好，语音倒是南腔北调，哪儿的话都能说，都能当国内的翻译了。在我们中间流传着一句话：献了青春献终身，献了终身献子孙。只有看到自己修建的大桥顺利竣工的时候，我们心里才有一种说不出的兴奋和酣畅，感到一阵轻松。因为是我们留下了一座永久的“纪念碑”，那上面渗着我们的热血，凝

看，群众有意见。最近上级号召学雷锋、做好事，医院领导便亲自带领医护人员利用星期天上街进行义务看病。热情的记者又是拍照，又是撰文报道，谁知事后，老作风没改，那些上街搞义务看病的人还跑到医院领导那里要学雷锋“加班费”。这出滑稽戏，对形式主义与形而上学实在是一个极大讽刺。被中国老百姓视为智慧化身的历史人物刘基，对只观其表，不计其实的做法非常反感，他曾借一个卖柑者的话，对此风大加挞伐：“今夫佩虎符，坐皋比者，恍恍乎千城之具也，果能授孙吴之略耶？峨大冠，拖长绅者，昂昂乎庙堂之器也，果能建伊皋之业耶？盗起而不知御，民困而不知救，吏奸而不知禁，法败而不知理，坐糜粟粟而不知耻。观其坐高堂，

“敬衣不敬人”臆想（杂文）

·张绪田·

骑大马，醉醇醪，而饫肥鲜者，孰不巍巍乎可畏，赫赫乎可象也？又何往而不金玉其外，败絮其中也哉！”刘夫子告诉人们，看人察事要听其言而观其行，察其表而责其实，如果只看表面现象，轻信片言只语，只会把事情办坏。

无论是“敬衣不敬人”的滑稽，还是刘基的箴言，都说明一个道理，就是闪光的东西并不都是金子，而真正的金子往往还不一定闪光。我想评人论事也是这个道理。因此，干什么工作，都必须坚持唯物主义，尽量克服形式主义，与形而上学。

着我们的汗水，有着我们生命的烙印……

没啥可说的“赵大姐”

在桥工队伍里，女工本来就很少，而象她这样50岁的钢筋工就更更是罕见。她叫赵述光，是交通部第二公路工程局一处三队的工人，大伙儿都喊她“赵大姐”。在施工队里干了20多年了。

赵述光一年365天，从没过一天病假。她的女儿小时没人看，上工地时就把孩子往身后一背，拿布带子一捆，照样干得热火朝天。队里的小伙子们一提起这个，都打心眼里佩服赵大姐。

今年在湖北宜城汉

江大桥施工时，一场洪水冲断了施工便道，当时水流很急，水深有50多公分，有个工人说：“今天干脆算了，等水退了再干吧。”可赵述光头一个挽起裤腿，艰难地过了河，第一个到达施工地点。跟着赵大姐的背影，大家伙一个接一个都跟上去了。

听队里的同志讲，赵大姐几十年来一直是队里、处里、局里的“先进生产者”、“三八红旗手”、“优秀党员”，可当你要让大姐她谈谈自己时，就是那么一句话：没啥可说的。她的语言全写在大桥上面啦。

三原县焦化厂厂歌

1=E 4/4 演唱 王冠英曲

热情豪壮地 中速

1 6 | 4 3 2 1 | 5 4 3 2 | 1 2 3 4 | 5 6 7 8 | 9 10 11 12 | 13 14 15 16 | 17 18 19 20 | 21 22 23 24 | 25 26 27 28 | 29 30 31 32 | 33 34 35 36 | 37 38 39 40 | 41 42 43 44 | 45 46 47 48 | 49 50 51 52 | 53 54 55 56 | 57 58 59 60 | 61 62 63 64 | 65 66 67 68 | 69 70 71 72 | 73 74 75 76 | 77 78 79 80 | 81 82 83 84 | 85 86 87 88 | 89 90 91 92 | 93 94 95 96 | 97 98 99 100 | 101 102 103 104 | 105 106 107 108 | 109 110 111 112 | 113 114 115 116 | 117 118 119 120 | 121 122 123 124 | 125 126 127 128 | 129 130 131 132 | 133 134 135 136 | 137 138 139 140 | 141 142 143 144 | 145 146 147 148 | 149 150 151 152 | 153 154 155 156 | 157 158 159 160 | 161 162 163 164 | 165 166 167 168 | 169 170 171 172 | 173 174 175 176 | 177 178 179 180 | 181 182 183 184 | 185 186 187 188 | 189 190 191 192 | 193 194 195 196 | 197 198 199 200 | 201 202 203 204 | 205 206 207 208 | 209 210 211 212 | 213 214 215 216 | 217 218 219 220 | 221 222 223 224 | 225 226 227 228 | 229 230 231 232 | 233 234 235 236 | 237 238 239 240 | 241 242 243 244 | 245 246 247 248 | 249 250 251 252 | 253 254 255 256 | 257 258 259 260 | 261 262 263 264 | 265 266 267 268 | 269 270 271 272 | 273 274 275 276 | 277 278 279 280 | 281 282 283 284 | 285 286 287 288 | 289 290 291 292 | 293 294 295 296 | 297 298 299 300 | 301 302 303 304 | 305 306 307 308 | 309 310 311 312 | 313 314 315 316 | 317 318 319 320 | 321 322 323 324 | 325 326 327 328 | 329 330 331 332 | 333 334 335 336 | 337 338 339 340 | 341 342 343 344 | 345 346 347 348 | 349 350 351 352 | 353 354 355 356 | 357 358 359 360 | 361 362 363 364 | 365 366 367 368 | 369 370 371 372 | 373 374 375 376 | 377 378 379 380 | 381 382 383 384 | 385 386 387 388 | 389 390 391 392 | 393 394 395 396 | 397 398 399 400 | 401 402 403 404 | 405 406 407 408 | 409 410 411 412 | 413 414 415 416 | 417 418 419 420 | 421 422 423 424 | 425 426 427 428 | 429 430 431 432 | 433 434 435 436 | 437 438 439 440 | 441 442 443 444 | 445 446 447 448 | 449 450 451 452 | 453 454 455 456 | 457 458 459 460 | 461 462 463 464 | 465 466 467 468 | 469 470 471 472 | 473 474 475 476 | 477 478 479 480 | 481 482 483 484 | 485 486 487 488 | 489 490 491 492 | 493 494 495 496 | 497 498 499 500 | 501 502 503 504 | 505 506 507 508 | 509 510 511 512 | 513 514 515 516 | 517 518 519 520 | 521 522 523 524 | 525 526 527 528 | 529 530 531 532 | 533 534 535 536 | 537 538 539 540 | 541 542 543 544 | 545 546 547 548 | 549 550 551 552 | 553 554 555 556 | 557 558 559 560 | 561 562 563 564 | 565 566 567 568 | 569 570 571 572 | 573 574 575 576 | 577 578 579 580 | 581 582 583 584 | 585 586 587 588 | 589 590 591 592 | 593 594 595 596 | 597 598 599 600 | 601 602 603 604 | 605 606 607 608 | 609 610 611 612 | 613 614 615 616 | 617 618 619 620 | 621 622 623 624 | 625 626 627 628 | 629 630 631 632 | 633 634 635 636 | 637 638 639 640 | 641 642 643 644 | 645 646 647 648 | 649 650 651 652 | 653 654 655 656 | 657 658 659 660 | 661 662 663 664 | 665 666 667 668 | 669 670 671 672 | 673 674 675 676 | 677 678 679 680 | 681 682 683 684 | 685 686 687 688 | 689 690 691 692 | 693 694 695 696 | 697 698 699 700 | 701 702 703 704 | 705 706 707 708 | 709 710 711 712 | 713 714 715 716 | 717 718 719 720 | 721 722 723 724 | 725 726 727 728 | 729 730 731 732 | 733 734 735 736 | 737 738 739 740 | 741 742 743 744 | 745 746 747 748 | 749 750 751 752 | 753 754 755 756 | 757 758 759 760 | 761 762 763 764 | 765 766 767 768 | 769 770 771 772 | 773 774 775 776 | 777 778 779 780 | 781 782 783 784 | 785 786 787 788 | 789 790 791 792 | 793 794 795 796 | 797 798 799 800 | 801 802 803 804 | 805 806 807 808 | 809 810 811 812 | 813 814 815 816 | 817 818 819 820 | 821 822 823 824 | 825 826 827 828 | 829 830 831 832 | 833 834 835 836 | 837 838 839 840 | 841 842 843 844 | 845 846 847 848 | 849 850 851 852 | 853 854 855 856 | 857 858 859 860 | 861 862 863 864 | 865 866 867 868 | 869 870 871 872 | 873 874 875 876 | 877 878 879 880 | 881 882 883 884 | 885 886 887 888 | 889 890 891 892 | 893 894 895 896 | 897 898 899 900 | 901 902 903 904 | 905 906 907 908 | 909 910 911 912 | 913 914 915 916 | 917 918 919 920 | 921 922 923 924 | 925 926 927 928 | 929 930 931 932 | 933 934 935 936 | 937 938 939 940 | 941 942 943 944 | 945 946 947 948 | 949 950 951 952 | 953 954 955 956 | 957 958 959 960 | 961 962 963 964 | 965 966 967 968 | 969 970 971 972 | 973 974 975 976 | 977 978 979 980 | 981 982 983 984 | 985 986 987 988 | 989 990 991 992 | 993 994 995 996 | 997 998 999 1000 | 1001 1002 1003 1004 | 1005 1006 1007 1008 | 1009 1010 1011 1012 | 1013 1014 1015 1016 | 1017 1018 1019 1020 | 1021 1022 1023 1024 | 1025 1026 1027 1028 | 1029 1030 1031 1032 | 1033 1034 1035 1036 | 1037 1038 1039 1040 | 1041 1042 1043 1044 | 1045 1046 1047 1048 | 1049 1050 1051 1052 | 1053 1054 1055 1056 | 1057 1058 1059 1060 | 1061 1062 1063 1064 | 1065 1066 1067 1068 | 1069 1070 1071 1072 | 1073 1074 1075 1076 | 1077 1078 1079 1080 | 1081 1082 1083 1084 | 1085 1086 1087 1088 | 1089 1090 1091 1092 | 1093 1094 1095 1096 | 1097 1098 1099 1100 | 1101 1102 1103 1104 | 1105 1106 1107 1108 | 1109 1110 1111 1112 | 1113 1114 1115 1116 | 1117 1118 1119 1120 | 1121 1122 1123 1124 | 1125 1126 1127 1128 | 1129 1130 1131 1132 | 1133 1134 1135 1136 | 1137 1138 1139 1140 | 1141 1142 1143 1144 | 1145 1146 1147 1148 | 1149 1150 1151 1152 | 1153 1154 1155 1156 | 1157 1158 1159 1160 | 1161 1162 1163 1164 | 1165 1166 1167 1168 | 1169 1170 1171 1172 | 1173 1174 1175 1176 | 1177 1178 1179 1180 | 1181 1182 1183 1184 | 1185 1186 1187 1188 | 1189 1190 1191 1192 | 1193 1194 1195 1196 | 1197 1198 1199 1200 | 1201 1202 1203 1204 | 1205 1206 1207 1208 | 1209 1210 1211 1212 | 1213 1214 1215 1216 | 1217 1218 1219 1220 | 1221 1222 1223 1224 | 1225 1226 1227 1228 | 1229 1230 1231 1232 | 1233 1234 1235 1236 | 1237 1238 1239 1240 | 1241 1242 1243 1244 | 1245 1246 1247 1248 | 1249 1250 1251 1252 | 1253 1254 1255 1256 | 1257 1258 1259 1260 | 1261 1262 1263 1264 | 1265 1266 1267 1268 | 1269 1270 1271 1272 | 1273 1274 1275 1276 | 1277 1278 1279 1280 | 1281 1282 1283 1284 | 1285 1286 1287 1288 | 1289 1290 1291 1292 | 1293 1294 1295 1296 | 1297 1298 1299 1300 | 1301 1302 1303 1304 | 1305 1306 1307 1308 | 1309 1310 1311 1312 | 1313 1314 1315 1316 | 1317 1318 1319 1320 | 1321 1322 1323 1324 | 1325 1326 1327 1328 | 1329 1330 1331 1332 | 1333 1334 1335 1336 | 1337 1338 1339 1340 | 1341 1342 1343 1344 | 1345 1346 1347 1348 | 1349 1350 1351 1352 | 1353 1354 1355 1356 | 1357 1358 1359 1360 | 1361 1362 1363 1364 | 1365 1366 1367 1368 | 1369 1370 1371 1372 | 1373 1374 1375 1376 | 1377 1378 1379 1380 | 1381 1382 1383 1384 | 1385 1386 1387 1388 | 1389 1390 1391 1392 | 1393 1394 1395 1396 | 1397 1398 1399 1400 | 1401 1402 1403 1404 | 1405 1406 1407 1408 | 1409 1410 1411 1412 | 1413 1414 1415 1416 | 1417 1418 1419 1420 | 1421 1422 1423 1424 | 1425 1426 1427 1428 | 1429 1430 1431 1432 | 1433 1434 1435 1436 | 1437 1438 1439 1440 | 1441 1442 1443 1444 | 1445 1446 1447 1448 | 1449 1450 1451 1452 | 1453 1454 1455 1456 | 1457 1458 1459 1460 | 1461 1462 1463 1464 | 1465 1466 1467 1468 | 1469 1470 1471 1472 | 1473 1474 1475 1476 | 1477 1478 1479 1480 | 1481 1482 1483 1484 | 1485 1486 1487 1488 | 1489 1490 1491 1492 | 1493 1494 1495 1496 | 1497 1498 1499 1500 | 1501 1502 1503 1504 | 1505 1506 1507 1508 | 1509 1510 1511 1512 | 1513 1514 1515 1516 | 1517 1518 1519 1520 | 1521 1522 1523 1524 | 1525 1526 1527 1528 | 1529 1530 1531 1532 | 1533 1534 1535 1536 | 1537 1538 1539 1540 | 1541 1542 1543 1544 | 1545 1546 1547 1548 | 1549 1550 1551 1552 | 1553 1554 1555 1556 | 1557 1558 1559 1560 | 1561 1562 1563 1564 | 1565 1566 1567 1568 | 1569 1570 1571 1572 | 1573 1574 1575 1576 | 1577 1578 1579 1580 | 1581 1582 1583 1584 | 1585 1586 1587 1588 | 1589 1590 1591 1592 | 1593 1594 1595 1596 | 1597 1598 1599 1600 | 1601 1602 1603 1604 | 1605 1606 1607 1608 | 1609 1610 1611 1612 | 1613 1614 1615 1616 | 1617 1618 1619 1620 | 1621 1622 1623 1624 | 1625 1626 1627 1628 | 1629 1630 1631 1632 | 1633 1634 1635 1636 | 1637 1638 1639 1640 | 1641 1642 1643 1644 | 1645 1646 1647 1648 | 1649 1650 1651 1652 | 1653 1654 1655 1656 | 1657 1658 1659 1660 | 1661 1662 1663 1664 | 1665 1666 1667 1668 | 1669 1670 1671 1672 | 1673 1674 1675 1676 | 1677 1678 1679 1680 | 1681 1682 1683 1684 | 1685 1686 1687 1688 | 1689 1690 1691 1692 | 1693 1694 1695 1696 | 1697 1698 1699 1700 | 1701 1702 1703 1704 | 1705 1706 1707 1708 | 1709 1710 1711 1712 | 1713 1714 1715 1716 | 1717 1718 1719 1720 | 1721 1722 1723 1724 | 1725 1726 1727 1728 | 1729 1730 1731 1732 | 1733 1734 1735 1736 | 1737 1738 1739 1740 | 1741 1742 1743 1744 | 1745 1746 1747 1748 | 1749 1750 1751 1752 | 1753 1754 1755 1756 | 1757 1758 1759 1760 | 1761 1762 1763 1764 | 1765 1766 1767 1768 | 1769 1770 1771 1772 | 1773 1774 1775 1776 | 1777 1778 1779 1780 | 1781 1782 1783 1784 | 1785 1786